मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

BSKE–142

बी. ए. (सामान्य) (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.ई.-142 : रंगमंच एवं नाट्यकला

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 15 = 60$

1. नाट्यमण्डप निर्माण विधि का विस्तृत वर्णन कीजिए।
2. रस के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।
3. कथावस्तु का भेद सहित विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. नाटक के भेदक तत्व के रूप में नायक का सविस्तार वर्णन कीजिए।
5. विभिन्न आचार्यों के मत में नाट्य की परिभाषा एवं उसके भेदों का वर्णन कीजिए।
6. रंगमंच के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
7. संस्कृत रंगमंच की वैश्विक स्थिति का वर्णन कीजिए।
8. नाट्य की उत्पत्ति तथा विकास का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

1. जनान्तिक एवं आकाशभाषित का वर्णन कीजिए।
2. भाण, व्यायोग एवं समवकार का लक्षण सहित वर्णन कीजिए।
3. रस के सम्बन्ध में स्थायीभावों का वर्णन कीजिए।
4. आधुनिक संस्कृत रंगमंच पर टिप्पणी लिखिए।
5. अर्थप्रकृतियों को परिभाषित करते हुए उनके महत्व पर प्रकाश डालिए।
6. सात्विक एवं आहार्य नामक अभिनयों का वर्णन कीजिए।
7. सूत्रधार, विदूषक का लक्षण सहित वर्णन कीजिए।
8. **तैंतीस** व्यभिचारी भावों के नाम लिखिए।

× × × × ×